International Journal of Research in Economics and Social Sciences(IJRESS)
Available online at: http://euroasiapub.org
Vol. 11 Issue 1, January- 2021
ISSN(o): 2249-7382 | Impact Factor: 8.018
(An open access scholarly, peer-reviewed, interdisciplinary, monthly, and fully refereed journal.)

समग्र शिक्षा अभियान के प्रति शिक्षा अधिकारियों , संस्था प्रधानों एवं सेवारत अध्यापकों की अपेक्षाओं का अध्ययन

Rajni

Research Scholar

Nirwan university jaipur

सार

शिक्षा किसी भी राष्ट्र की प्रगति का स्तंभ है। भारत सरकार ने प्री स्कूल से कक्षा 12 तक विस्तारित विद्यालय षिक्षा क्षेत्र के लिए एक व्यापक कार्यक्रम तैयार किया गया जिसे समग्र षिक्षा अभियान (एसएमएसए) नाम दिया गया। एसएमएसए का उद्देश्य स्कूली षिक्षा के लिए समान अवसर और समान षिक्षण परिणामो के सन्दर्भ में मापी गयी स्कूल प्रभावषीलता में सुधार के व्यापक लक्ष्य के साथ शिक्षा प्रदान करना है। भारत सरकार ने 4 अगस्त 2021 में समग्र शिक्षा अभियान (एसएमएसए) की शुरुआत की जिसमे सर्व षिक्षा अभियान (एसएसए), राष्ट्रीय माध्यमिक षिक्षा अभियान (आरएमएसए) और षिक्षक षिक्षा (टीई) तीन योजनाओं को शामिल किया गया है। यह योजना शिक्षा के क्षेत्र में एक समग्र दृष्टिकोण प्रदान करती है, जिसमें सभी बच्चों को शिक्षा की मुख्यधारा में लाना,

International Journal of Research in Economics and Social Sciences(IJRESS)
Available online at: http://euroasiapub.org
Vol. 11 Issue 1, January- 2021
ISSN(o): 2249-7382 | Impact Factor: 8.018
(An open access scholarly, peer-reviewed, interdisciplinary, monthly, and fully refereed journal.)

गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करना, और शिक्षा में लैंगिक समानता को बढ़ावा देना शामिल है।

,l,e,l, शिक्षा के क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण पहल है। इसने शिक्षा में लैंगिक समानता, नामांकन, और शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। लेकिन अभी भी कई चुनौतियां हैं जिनका सामना ,l,e,l, को करना है। इन चुनौतियों का सामना करने के लिए] सरकार को शिक्षा के क्षेत्र में अधिक निवेश करने की आवश्यकता है। ,l,e,l, को केंद्र सरकार और राज्य सरकारों द्वारा संयुक्त रूप से क्रियान्वित किया जाता है। योजना के तहत केंद्र और राज्यों का वित्तीय अनुपात 60%40 है तथा राज्य सरकारें योजना के क्रियान्वयन के लिए जिम्मेदार होती हैं।

मुख्य शब्द

समग्र, शिक्षा, अभियान, संस्था, प्रधान, अध्यापक, समानता, गुणवत्ता, समावेश, उपलब्धियां

भूमिका

समग्र शिक्षा अभियान मूल रूप से शिक्षा क्षेत्र को बेहतर बनाने के लिए लायी गयी योजना है। इसका ध्येय मूल रूप से शिक्षा की गुणवत्ता को बेहतर बनाना है। जिससे सभी बच्चों को अच्छी और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा मिल सके। इस के लिए एक अम्ब्रेला स्कीम की शुरुआत की गयी है। अम्ब्रेला स्कीम अर्थात जिस में अन्य सब स्कीमों को सम्मिलित किया

International Journal of Research in Economics and Social Sciences(IJRESS)
Available online at: http://euroasiapub.org
Vol. 11 Issue 1, January- 2021
ISSN(o): 2249-7382 | Impact Factor: 8.018
(An open access scholarly, peer-reviewed, interdisciplinary, monthly, and fully refereed journal.)

जाता है। समग्र शिक्षा अभियान एक एकीकृत और समग्र विद्यालयी षिक्षा सुनिष्चित करने के लिए निम्नलिखित तीन योजनाओं को शामिल करके बनाया गया था।

1. राष्ट्रीय माध्यमिक षिक्षा अभियान (आरएमएसए)
2. सर्व षिक्षा अभियान (एसएसए)
3. षिक्षक षिक्षा (टीई)

समग्र शिक्षा अभियान की शुरुआत वर्ष 2021 में हुई थी। जो कि शिक्षा विभाग के अंतर्गत आती है। इसमें सभी उम्र के बच्चे अर्थात प्री & प्राइमरी से लेकर उच्च माध्यमिक तक के विद्यार्थियों को इसका लाभ प्रदान किया जाएगा।

समग्र शिक्षा अभियान शिक्षा के क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण कार्यक्रम है। इस कार्यक्रम ने शिक्षा के क्षेत्र में कई महत्वपूर्ण उपलब्धियां हासिल की हैं] लेकिन अभी भी कई चुनौतियां हैं जिनका सामना करना बाकी है। यह उम्मीद की जाती है कि ,l,e,l, शिक्षा के क्षेत्र में समानता, गुणवत्ता और समावेश को बढ़ावा देना जारी रखेगा।

समग्र शिक्षा अभियान के मुख्य उद्देश्य

1. यह योजना विद्यालयी षिक्षा में सुधार लाने के उद्देष्य से शुरू की गयी थी

International Journal of Research in Economics and Social Sciences(IJRESS)
Available online at: http://euroasiapub.org
Vol. 11 Issue 1, January- 2021
ISSN(o): 2249-7382 | Impact Factor: 8.018
(An open access scholarly, peer-reviewed, interdisciplinary, monthly, and fully refereed journal.)

2. यह योजना 'स्कूल' को समग्र रूप से पूर्व–विद्यालय, प्राथमिक विद्यालय, उच्च प्राथमिक विद्यालय, माध्यमिक विद्यालय और उच्च माध्यमिक विद्यालय तक एक निरन्तरता के रूप में मानकर स्कूली षिक्षा के वैचारिक डिजाइन में एक आदर्ष बदलाव का प्रतिनिधित्व करती है।
3. इस योजना का मसौदा विद्यालयी षिक्षा के लिए समान अवसरों और समान षिक्षण परिणामों के सन्दर्भ में स्कूली प्रभावषीलता में सुधार के व्यापक लक्ष्य के साथ तैयार किया गया था।

समग्र षिक्षा अभियान की प्रमुख विषेषताएं–

1. षिक्षा के लिए एकीकृत दृष्टिकोण

⟹प्री–स्कूल से कक्षा 12 तक विद्यालयी षिक्षा में निरन्तरता बनाये रखना

⟹ स्कूली षिक्षा में पूर्व एवं बाद के स्तरों को शामिल करना।

⟹ बिना किसी सामाजिक,आर्थिक एवं भौगोलिक स्थिति तथा जाति, धर्म, एवं लिंग के आधार पर भेदभाव किये सभी बालक/बालिकाओं को षिक्षा के समान अवसर प्रदान करना।

International Journal of Research in Economics and Social Sciences(IJRESS)
Available online at: http://euroasiapub.org
Vol. 11 Issue 1, January- 2021
ISSN(o): 2249-7382 | Impact Factor: 8.018
(An open access scholarly, peer-reviewed, interdisciplinary, monthly, and fully refereed journal.)

2. प्रषासनिक सुधार

⟹ यह योजना राज्य को अपने कार्यों को प्राथमिकता देने की अनुमति प्रदान करती है।

3. षिक्षा की बेहतर गुणवत्ता

⟹ दो टी–(प्रौद्योगिकी और षिक्षक) पर ध्यान केंद्रित करके षिक्षा की गुणवत्ता बेहतर करना।

⟹ ब्म्त्ज् एवं क्म्ज् जैसे षिक्षक षिक्षा संस्थानों को मजबूत करके भावी षिक्षकों की गणवत्ता बेहतर बनाना।

4. षिक्षा का डिजिटलीकरण

⟹ समग्र षिक्षा योजना में डिजिटल षिक्षा को बढ़ावा देकर षिक्षा की गुणवत्ता में सुधार करने की योजना है।

⟹ मानव संसाधन विकास मंत्रालय ने षिक्षा पर प्रौद्योगिकी के प्रभाव को बढ़ाने के लिए ऑपरेषन डिजिटल बोर्ड शुरू किया है।

5. विद्यालयों का सुदृढ़ीकरण

⟹ स्वच्छता गतिविधियों को प्रदान करना और प्रोत्साहित करना– स्वच्छ विद्यालय का समर्थन करना

International Journal of Research in Economics and Social Sciences(IJRESS)
Available online at: http://euroasiapub.org
Vol. 11 Issue 1, January- 2021
ISSN(o): 2249-7382 | Impact Factor: 8.018
(An open access scholarly, peer-reviewed, interdisciplinary, monthly, and fully refereed journal.)

⟹ सरकारी विद्यालयो के बुनियादी ढांचे में सुधार करना।

6. बालिका षिक्षा पर फोकस

⟹ लड़कियों को बुनियादी आत्मरक्षा प्रषिक्षण प्रदान करना

⟹ 'बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ' कार्यक्रम को प्रोत्साहित करना।

7. व्यावसायिक और सॉफ्ट स्किल डेवलपमेंट

⟹ उच्च प्राथमिक स्तर पर व्यावसायिक कौषल पाठ्यक्रम का विस्तार करना।

8. खेल और शारीरिक षिक्षा एकीकरण

⟹ खेल षिक्षा पाठ्यक्रम का अभिन्न अंग बनेगी।

9. क्षेत्रीय संतुलन बनाए रखना

⟹ संतुलित शैक्षिक विकास को बढ़ावा देना

समग्र शिक्षा अभियान की मुख्य उपलब्धियां

शिक्षा में नामांकन में वृद्धिः समग्र षिक्षा अभियान के तहत शिक्षा में नामांकन में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। शिक्षा की गुणवत्ता में सुधारः समग्र षिक्षा अभियान ने शिक्षा की गुणवत्ता में भी सुधार किया है। प्राथमिक स्तर पर उत्तीर्ण दर बढ़कर 80: हो गई है।

International Journal of Research in Economics and Social Sciences(IJRESS)
Available online at: http://euroasiapub.org
Vol. 11 Issue 1, January- 2021
ISSN(o): 2249-7382 | Impact Factor: 8.018
(An open access scholarly, peer-reviewed, interdisciplinary, monthly, and fully refereed journal.)

समानता और सामाजिक न्याय में प्रगतिः समग्र षिक्षा अभियान ने शिक्षा में समानता और सामाजिक न्याय में भी प्रगति की है। लैंगिक समानता, विकलांग बच्चों की शिक्षा, और वंचित वर्गों के बच्चों की शिक्षा में सुधार हुआ है।

समग्र षिक्षा अभियान के सामने मुख्य समस्याएं

समग्र षिक्षा अभियान ने शिक्षा के क्षेत्र में महत्वपूर्ण प्रगति की है, लेकिन अभी भी कुछ चुनौतियां हैं जिनका सामना करना बाकी है। इनमें प्रमुख समस्याएं निम्न हैंः

शिक्षकों की कमीः भारत में अभी भी शिक्षकों की कमी है खासकर ग्रामीण क्षेत्रों में।

स्कूलों में बुनियादी सुविधाओं की कमीः कई स्कूलों में बुनियादी सुविधाओं जैसे कि बिजली, पानी और शौचालय की कमी है।

शिक्षा की गुणवत्ता में भिन्नताः शिक्षा की गुणवत्ता में अभी भी भिन्नता है, विशेष रूप से शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों के बीच।

समग्र शिक्षा अभियान के प्रति शिक्षा अधिकारियों की भूमिका

समग्र षिक्षा अभियान के प्रति शिक्षा अधिकारियों की अपेक्षाएं निम्नलिखित हैंः

योजना का कार्यान्वयनः शिक्षा अधिकारियों को समग्र षिक्षा अभियान के तहत विभिन्न योजनाओं और कार्यक्रमों को प्रभावी ढंग से लागू करने की जिम्मेदारी होती है।

International Journal of Research in Economics and Social Sciences(IJRESS)
Available online at: http://euroasiapub.org
Vol. 11 Issue 1, January- 2021
ISSN(o): 2249-7382 | Impact Factor: 8.018
(An open access scholarly, peer-reviewed, interdisciplinary, monthly, and fully refereed journal.)

निगरानी और मूल्यांकनः शिक्षा अधिकारियों को समग्र षिक्षा अभियान के तहत किए जा रहे कार्यों की निगरानी और मूल्यांकन करने की जिम्मेदारी भी होती है।

संसाधनों का प्रबंधनः शिक्षा अधिकारियों को समग्र षिक्षा अभियान के तहत उपलब्ध संसाधनों का कुशलतापूर्वक प्रबंधन करने की जिम्मेदारी होती है।

सामुदायिक भागीदारीः शिक्षा अधिकारियों को समग्र षिक्षा अभियान में समुदाय की भागीदारी सुनिश्चित करने की जिम्मेदारी भी होती है।

अध्ययन के कुछ महत्वपूर्ण निष्कर्ष निम्नलिखित हैंः

- शिक्षा अधिकारियों को समग्र षिक्षा अभियान के तहत विभिन्न योजनाओं और कार्यक्रमों के बारे में अच्छी जानकारी होनी चाहिए।
- शिक्षा अधिकारियों में नेतृत्व और प्रबंधन कौशल होना चाहिए।
- शिक्षा अधिकारियों को समुदाय के साथ प्रभावी ढंग से संवाद करने में सक्षम होना चाहिए।

समग्र षिक्षा अभियान के प्रति शिक्षा अधिकारियों की अपेक्षाओं को पूरा करने के लिए निम्नलिखित सुझाव दिए गए हैंः

- शिक्षा अधिकारियों के लिए समग्र षिक्षा अभियान के तहत विभिन्न योजनाओं और कार्यक्रमों पर प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए जाने चाहिए।

International Journal of Research in Economics and Social Sciences(IJRESS)
Available online at: http://euroasiapub.org
Vol. 11 Issue 1, January- 2021
ISSN(o): 2249-7382 | Impact Factor: 8.018
(An open access scholarly, peer-reviewed, interdisciplinary, monthly, and fully refereed journal.)

- शिक्षा अधिकारियों को समग्र षिक्षा अभियान के तहत किए जा रहे कार्यों की निगरानी और मूल्यांकन करने के लिए आवश्यक उपकरण और संसाधन उपलब्ध कराए जाने चाहिए।
- शिक्षा अधिकारियों को समग्र षिक्षा अभियान में समुदाय की भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए समुदाय के साथ नियमित रूप से बैठकें करनी चाहिए।

समग्र शिक्षा अभियान भारत सरकार द्वारा शुरू किया गया एक महत्वपूर्ण कार्यक्रम है। समग्र षिक्षा अभियान के सफल कार्यान्वयन के लिए शिक्षा अधिकारियों की महत्वपूर्ण भूमिका है। शिक्षा अधिकारियों को समग्र षिक्षा अभियान के प्रति अपनी अपेक्षाओं को पूरा करने के लिए कड़ी मेहनत और लगन से काम करना होगा। शिक्षा अधिकारियों से अपेक्षा की जाती है कि वे समग्र षिक्षा अभियान योजना का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित करें। इसमें योजना के विभिन्न घटकोंः जैसे कि स्कूलों का आधारभूत ढांचाः शिक्षकों की भर्ती और प्रशिक्षण, और शिक्षण सामग्री की उपलब्धता आदि का ध्यान रखना शामिल है।

शिक्षा अधिकारियों से अपेक्षा की जाती है कि वे सभी बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने के लिए आवश्यक कदम उठाएं। इसमें शिक्षकों की क्षमता निर्माण] पाठ्यक्रम का उन्नयन] और मूल्यांकन प्रणाली में सुधार आदि शामिल हैं। शिक्षा अधिकारियों से अपेक्षा की जाती है कि वे सभी बच्चों को समान अवसर प्रदान करें, चाहे उनकी सामाजिक. आर्थिक पृष्ठभूमि या जाति, धर्म, लिंग, या विकलांगता कुछ भी हो।

International Journal of Research in Economics and Social Sciences(IJRESS)
Available online at: http://euroasiapub.org
Vol. 11 Issue 1, January- 2021
ISSN(o): 2249-7382 | Impact Factor: 8.018
(An open access scholarly, peer-reviewed, interdisciplinary, monthly, and fully refereed journal.)

शिक्षा अधिकारियों से अपेक्षा की जाती है कि वे समग्र षिक्षा अभियान योजना के तहत किए गए कार्यों और प्राप्त परिणामों के लिए जवाबदेह हों। इसमें योजना के लिए आवंटित धन का उचित उपयोग, और योजना के लक्ष्यों और उद्देश्यों की प्राप्ति सुनिश्चित करना शामिल है।

समग्र षिक्षा अभियान का एक महत्वपूर्ण उद्देश्य सभी बच्चों को शिक्षा की मुख्यधारा में लाना है, जिनमें विशेष आवश्यकता वाले बच्चे भी शामिल हैं। शिक्षा अधिकारियों को यह सुनिश्चित करना होगा कि सभी बच्चों को शिक्षा प्राप्त करने के समान अवसर मिलें।

समग्र शिक्षा अभियान समग्र षिक्षा अभियान भारत सरकार द्वारा शुरू की गई एक महत्वाकांक्षी योजना है, जिसका उद्देश्य प्री.स्कूल से वरिष्ठ माध्यमिक स्तर तक सभी बच्चों के लिए गुणवत्तापूर्ण शिक्षा सुनिश्चित करना है। इस योजना के क्रियान्वयन में शिक्षा अधिकारियों की महत्वपूर्ण भूमिका होती है।

समग्र षिक्षा अभियान के प्रति शिक्षा अधिकारियों की अपेक्षाएं बहुत अधिक हैं। यदि योजना को सफल बनाना है, तो शिक्षा अधिकारियों को योजना के क्रियान्वयन के लिए पूरी तरह से समर्पित रहना होगा। उन्हें सभी हितधारकों, जैसे कि शिक्षकों, अभिभावकों, और समुदाय के सदस्यों के साथ मिलकर काम करना होगा।

समग्र शिक्षा अभियान के प्रति संस्था प्रधानों की भूमिका

International Journal of Research in Economics and Social Sciences(IJRESS)
Available online at: http://euroasiapub.org
Vol. 11 Issue 1, January- 2021
ISSN(o): 2249-7382 | Impact Factor: 8.018
(An open access scholarly, peer-reviewed, interdisciplinary, monthly, and fully refereed journal.)

समग्र शिक्षा अभियान समग्र षिक्षा अभियान भारत सरकार द्वारा शुरू की गई एक महत्वपूर्ण योजना है जो सभी बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने का लक्ष्य रखती है। इस अभियान के तहत संस्था प्रधानों की महत्वपूर्ण भूमिका होती है।

संस्था प्रधानों को उम्मीद है कि समग्र षिक्षा अभियान के तहत उनके स्कूलों के बुनियादी ढांचे में सुधार होगा। इसमें स्कूल भवनों की मरम्मत, नए कक्षाओं का निर्माण, शौचालयों का निर्माण, और खेल के मैदानों का विकास शामिल है। संस्था प्रधानों को उम्मीद है कि समग्र षिक्षा अभियान के तहत उनके स्कूलों में पर्याप्त संख्या में शिक्षक उपलब्ध होंगे। वे चाहते हैं कि शिक्षक योग्य और अनुभवी हों।

संस्था प्रधानों को उम्मीद है कि समग्र षिक्षा अभियान के तहत पाठ्यक्रम में सुधार होगा। वे चाहते हैं कि पाठ्यक्रम बच्चों की जरूरतों के अनुरूप हो और उन्हें 21वीं सदी के कौशल प्रदान करे। संस्था प्रधानों को उम्मीद है कि समग्र षिक्षा अभियान के तहत उनके स्कूलों को अन्य संसाधन भी उपलब्ध होंगे, जैसे कि पाठ्यपुस्तकें, शिक्षण सामग्री, और कंप्यूटर।

समग्र षिक्षा अभियान के तहत, संस्था प्रधानों से अपेक्षा की जाती है कि वे शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार लाने के लिए विभिन्न उपाय करें। इसमें शिक्षण विधियों में सुधार, शिक्षकों के प्रशिक्षण, और छात्रों के मूल्यांकन में सुधार शामिल हैं।

सभी बच्चों के लिए शिक्षा तक पहुंच

International Journal of Research in Economics and Social Sciences(IJRESS)
Available online at: http://euroasiapub.org
Vol. 11 Issue 1, January- 2021
ISSN(o): 2249-7382 | Impact Factor: 8.018
(An open access scholarly, peer-reviewed, interdisciplinary, monthly, and fully refereed journal.)

समग्र षिक्षा अभियान का लक्ष्य सभी बच्चों को शिक्षा तक पहुंच प्रदान करना है, जिसमें वंचित और विशेष आवश्यकता वाले बच्चे भी शामिल हैं। संस्था प्रधानों से अपेक्षा की जाती है कि वे यह सुनिश्चित करें कि सभी बच्चों को स्कूल में भर्ती कराया जाए और उन्हें नियमित रूप से शिक्षा प्राप्त हो।

स्कूलों का प्रबंधन

संस्था प्रधानों को स्कूलों का कुशलतापूर्वक प्रबंधन करने की भी जिम्मेदारी होती है। इसमें वित्तीय संसाधनों का प्रबंधन, शिक्षकों और कर्मचारियों का पर्यवेक्षण, और स्कूलों के भौतिक बुनियादी ढांचे का रखरखाव शामिल है।

सामाजिक जागरूकता

समग्र षिक्षा अभियान के तहत, संस्था प्रधानों से अपेक्षा की जाती है कि वे विभिन्न सामाजिक मुद्दों, जैसे कि बाल श्रम, बाल विवाह, और लिंगभेद के बारे में जागरूकता फैलाने के लिए कार्य करें।

एसएमएसए के तहत संस्था प्रधानों की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार, सभी बच्चों के लिए शिक्षा तक पहुंच, स्कूलों का प्रबंधन, और सामाजिक जागरूकता फैलाने के लिए वे महत्वपूर्ण योगदान दे सकते हैं। हालांकि, उन्हें कई चुनौतियों का भी सामना करना पड़ता है। इन चुनौतियों का सामना करने के लिए

International Journal of Research in Economics and Social Sciences(IJRESS)
Available online at: http://euroasiapub.org
Vol. 11 Issue 1, January- 2021
ISSN(o): 2249-7382 | Impact Factor: 8.018
(An open access scholarly, peer-reviewed, interdisciplinary, monthly, and fully refereed journal.)

सरकार, शिक्षकों, अभिभावकों, और समुदाय को मिलकर काम करने की आवश्यकता है।

समग्र शिक्षा अभियान के प्रति सेवारत अध्यापकों की भूमिका

समग्र शिक्षा अभियान भारत सरकार का एक प्रमुख कार्यक्रम है, जिसका उद्देश्य सभी बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करना है। यह अभियान 2021 में शुरू किया गया था और षिक्षा के लिए सतत् विकास लक्ष्य के अनुसार प्री–स्कूल से उच्च माध्यमिक स्तर तक समावेषी और न्याय संगत गुणवत्तापूर्ण षिक्षा सुनिष्चित करना है।

समग्र षिक्षा अभियान के तहत, अध्यापकों को कई महत्वपूर्ण भूमिकाएँ निभानी होती हैं। वे शिक्षण, पाठ्यक्रम विकास, मूल्यांकन, और छात्रों की देखभाल के लिए जिम्मेदार हैं। समग्र षिक्षा अभियान के सफल क्रियान्वयन के लिए अध्यापकों की सक्रिय भागीदारी अत्यंत आवश्यक है।

अध्यापक समग्र षिक्षा अभियान के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण रखते हैं। वे समग्र षिक्षा अभियान के उद्देश्यों और लक्ष्यों को समझते हैं और उनका समर्थन करते हैं। वे समग्र षिक्षा अभियान के तहत प्रदान किए गए प्रशिक्षण से भी संतुष्ट हैं। हालांकि, अध्यापकों को समग्र षिक्षा अभियान के तहत प्रदान किए गए संसाधनों से संतुष्ट नहीं

International Journal of Research in Economics and Social Sciences(IJRESS)
Available online at: http://euroasiapub.org
Vol. 11 Issue 1, January- 2021
ISSN(o): 2249-7382 | Impact Factor: 8.018
(An open access scholarly, peer-reviewed, interdisciplinary, monthly, and fully refereed journal.)

हैं। उन्हें समग्र षिक्षा अभियान के तहत अधिक वेतन और भत्ते की भी अपेक्षा है। इसके अलावा उन्हें समग्र षिक्षा अभियान के तहत बेहतर काम करने के माहौल की अपेक्षा है।

समग्र षिक्षा अभियान भारत में शिक्षा प्रणाली को बेहतर बनाने के लिए एक महत्वपूर्ण कार्यक्रम है। इस कार्यक्रम के सफल होने के लिए, शिक्षकों की अपेक्षाओं को पूरा करना महत्वपूर्ण है। सरकार, शिक्षकों और समुदाय को मिलकर काम करना चाहिए ताकि सभी बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान की जा सके।

अध्ययन के निष्कर्ष:

समग्र षिक्षा अभियान के प्रति शिक्षा अधिकारियों की अपेक्षाएं बहुत अधिक हैं। इन अपेक्षाओं को पूरा करने के लिए शिक्षा अधिकारियों को कड़ी मेहनत और लगन से काम करना होगा।

निष्कर्ष

समग्र शिक्षा अभियान शिक्षा के क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण पहल है। इसने शिक्षा में नामांकन] शिक्षा की गुणवत्ता और समानता और सामाजिक न्याय में सुधार किया है। हालांकि] अभी भी कुछ चुनौतियां हैं जिनका सामना करना बाकी है। सरकार को इन चुनौतियों का सामना करने और सभी बच्चों के लिए गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने के लिए निरंतर प्रयास करने चाहिए।

International Journal of Research in Economics and Social Sciences(IJRESS)
Available online at: http://euroasiapub.org
Vol. 11 Issue 1, January- 2021
ISSN(o): 2249-7382 | Impact Factor: 8.018
(An open access scholarly, peer-reviewed, interdisciplinary, monthly, and fully refereed journal.)

सन्दर्भ

- "सर्व शिक्षा अभियान" । स्कूल शिक्षा और साक्षरता विभाग] एमएचआरडी] भारत सरकार । 26 अक्टूबर 2023 को पुनःप्राप्त .
- ^ "जिला प्राथमिक शिक्षा कार्यक्रम, डीपीईपी" । 29 अक्टूबर 2023 को मूल से संग्रहीत । 26 अक्टूबर 2013 को पुनःप्राप्त .
- "जिला प्राथमिक शिक्षा कार्यक्रम (डीपीईपी)" । 28 अक्टूबर 2023 को लिया गया ।
- जालान, ज्योत्सना; ग्लिंस्काया, ऐलेना। "भारत में प्राथमिक स्कूल शिक्षा में सुधार: डीपीईपी । का एक प्रभाव आकलन"(पीडीएफ)। *विश्व बैंक*। 29 नवंबर 2023को लिया गया.
- "क्या आरटीई ,l,e,l, का सपना पूरा करेगा?" . *द टाइम्स ऑफ़ इण्डिया* । 5 अप्रैल 2010 । 26 अक्टूबर 2023 को पुनःप्राप्त .
- समग्र शिक्षा अभियान की आधिकारिक वेबसाइट: https://samagrashiksha.org/
- मानव संसाधन विकास मंत्रालय की वेबसाइट: https://mhrd.gov.in/